

**विदर्भजा स्त्री.** (तत्.) 1. विदर्भ देश या प्रदेश में जन्मी स्त्री 2. अगस्त्य की पत्नी-लोपामुद्रा 3. नल पत्नी-दमयंती 4. श्रीकृष्ण की पत्नी-रुक्मिणी।

**विदर्भराज पुं.** (तत्.) 1. विदर्भ का राजा 2. भीष्मक।

**विदल पुं.** (तत्.) 1. विभाग 2. टुकड़ा 3. फट्टा 4. बेंत 5. लाल रंग का सोना 6. अनार का छिलका 7. टहनी 8. पीठी 9. मटर की दाल वि. 1. विना दल का, पत्रहीन, फटा हुआ 2. खिला हुआ।

**विदलन पुं.** (तत्.) 1. दलने की क्रिया या भाव 2. चने, मूँग आदि को दलने की क्रिया 3. टुकड़े करना 4. फाड़ना, चीरना 5. फटना 6. मलने या दबाने की क्रिया प्राणि. समसूत्रण (माइटोरिस) की क्रिया द्वारा की जाने वाली कोशिकाओं के गुणन की क्रिया, अर्थात् निषेचित अंडे के एककोशीय अंडाणु द्वारा बहुकोशीय भ्रूण बनाने की प्रक्रिया।

**विदलना स.क्रि.** (तत्.) 1. दलन करना, नष्ट करना 2. कुचलना, दबाना 3. चीर फाड़ करना।

**विदलन्न पुं.** (तत्.) 1. दले हुए अन्न 2. चना, अरहर, मूँग आदि दो दलों वाले अन्न 3. पकाई गई दाल।

**विदलान पुं.** (तत्.) 1. दला हुआ अन्न 2. चना, उड़द, मूँग की दाल, दो दलों वाले अन्न, पकाई हुई दाल।

**विदलित स्त्री.** (तत्.) 1. दला हुआ हो (अन्न) 2. रौंदा हुआ, कुचला हुआ 3. टुकड़े-टुकड़े किया हुआ 4. फाड़ा हुआ 5. खिला हुआ 6. नष्ट किया हुआ।

**विदा पुं.** (तत्.) 1. प्रस्थान, गमन 2. किसी स्थान से प्रस्थान करने के लिए वहाँ के संबंधित गुरुजनों, बंधुओं आदि से मिली हुई अनुमति।

**विदाई स्त्री.** (तत्.) 1. विदा होने की क्रिया, रुखसती 2. वधू का मैके से विदा होना 3. विदा के समय किसी विशिष्ट अतिथि, व्यक्ति आदि को सम्मान के रूप में दिया जाने वाला धन या

उपहार आदि 4. किसी विशिष्ट व्यक्ति के आगमन के पश्चात् प्रस्थान करने के समय कृतज्ञतापूर्ण सम्मान कामना प्रकट करने के लिए आयोजित किया जाने वाला एक सामूहिक कार्यक्रम जैसे- विदाई भाषण, भोज आदि।

**विदाय पुं.** (तत्.) 1. प्रस्थान, विदा 2. विसर्जन 3. विभाग, वितरण 4. जाने की अनुमति 5. दान।

**विदारक पुं.** (तत्.) 1. किसी धारा के बीच स्थित वृक्ष या चट्टान 2. सुखी नदी में जल पीने के लिए खोदा गया गड्ढा 3. नौसादर वि. विदारण करने वाला, फाड़ने वाला।

**विदारण पुं.** (तत्.) 1. किसी वस्तु के टुकड़े कर देना, फाड़ना, रौंदना 2. प्रवाह के मध्य स्थित वृक्ष या चट्टान जिस से नाव बाँधी जाय 3. कष्ट देना 4. वध करना, हत्या करना 5. युद्ध लड़ाई 6. जंगल आदि काट कर साफ करना (जैन साहित्य) कनेर, खपस्थि, नौसादर।

**विदारना स.क्रि.** (तत्.) विदारण करना, चीरना-फाड़ना।

**विदारी वि.** (तत्.) 1. विदारक, चीरने फाड़ने वाला स्त्री. 2. शालपर्णी, भूमिकूष्मांड भुई, कुम्हड़ा 3., विदारीकंद, वाराहीकंद 5. आयु. औषधि समूह जिसमें देवदारु, सफेद पुनर्नवा आदि शामिल हैं।

**विदारीकंद पुं.** (तत्.) वन. 1. अधिक बड़े पत्ते वाली एक बेल जो अधिक पानी में पैदा होती है तथा जिसकी जड़ में बड़ कंद निकलता है भूमिकूष्मांड, वाराहीकंद।

**विदारीगंधा पुं.** (तत्.) 1. शालपर्णी 2. शालपर्णी, भुईकुम्हड़ा आदि औषधियों का समूह।

**विदालित वि.** (तत्.) 1. दला, रौंदा हुआ, कुचला हुआ, दलित 2. टुकड़े-टुकड़े किया हुआ 3. चीर-फाड़ किया हुआ 4. ध्वस्त, नष्ट किया हुआ 5. फैला हुआ, खिला हुआ।

**विदाह पुं.** (तत्.) चिकि. 1. शरीर के किसी अंग में पित्त के प्रकोप से उत्पन्न होने वाली जलन 2.